Roll No. ..... Total Pages: 03

6611

B.A./B.Ed. Part – I (Integrated) Examination, 2019

HINDI – I

(काव्य)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 80

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

All questions are mandatory.

*The answer to each question should not exceed **50** words.*

*Each question is of **2** marks.*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो।*

*प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।*

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 30]*

*Answer **five** questions selecting one from each unit.*

*The answer to each question should not exceed **250** words.*

*Each question is of **6** marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

*प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो।*

*प्रत्येक प्रश्न **6** अंक का है।*

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

*Answer any **three** questions.*

*Answer should not exceed **300** words. Each question is of **10** marks.*

*कोई **तीन प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो।*

*प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।*

खण्ड – अ

प्र.1 (क) 'हरिऔध' द्वारा रचित किन्हीं चार रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) चित्रकूट में राजसभा में कवि ने 'आत्मार्थी' किसे कहा है?

(ग) जयशंकर प्रसाद की छायावादी रचनाओं के नाम लिखिए।

(घ) सुमित्रानंदन पंत की किस रचना को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था?

(ङ) ''मैं नीर भरी दुख की बदली'' कविता का सार लिखिए।

(च) ''दिवसावसान का समय। मेघमय आसमान से उतर रही है।
वह संध्या सुंदरी परी – सी। धीरे – धीरे।'' का भाव स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'अनल किरीट' कविता का सारांश लिखिए।

(ज) 'नदी के द्वीप' कविता का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

(झ) किन्हीं चार प्रगतिवादी कवियों के नाम लिखिए।

(ञ) मन्दाक्रान्ता छन्द का लक्षण लिखिए।

खण्ड – ब

इकाई – I

प्र.1 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

वो दो प्यारे ह्रदय मिल के एक ही हो गये हैं।
क्यों धाता ने विलग उनके गात को यों किया है।।
कैसे आ के गुरु – गिरी पड़े बीच में है उन्हीं के।
जो दो प्रेमी मिलित पय औ नीर से नित्यशः थे।।

प्र.2 'चित्रकूट में राजसभा' कविता के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त के काव्य सौष्ठव का विवेचन कीजिए।

इकाई – II

प्र.3 'बीती विभावरी' काव्यांश का काव्य सौन्दर्य उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्र.4 'पंत प्रकृति के कुशल चितेरे है' इस कथन के आधार पर सुमित्रानंदन पंत का प्रकृति चित्रण सोदाहरण समझाइये।

इकाई – III

प्र.5 'महादेवी वर्मा करुणा एवं वेदना की गायिका है' इस कथन का युक्तियुक्त विवेचन कीजिए।

प्र.6 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

झूम – झूम मृदु गरज – गरज घन घोर!
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर!
झर झर झर निर्झर – गिरि – सर में,
घर, मरु, तरु – मर्मर, सागर में
सरित – तड़ित – गति – चकित पवन में,
मन में, विजन – गहन – कानन में,
आनन – आनन में, रव घोर कठोर
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर!

इकाई – IV

प्र.7 'प्रतिशोध' कविता के आधार पर रामधारी सिंह दिनकर के काव्य – सौष्ठव को सोदाहरण समझाइये।

प्र.8 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

हम नदी के द्वीप हैं।
हम नहीं कहते कि हमको छोड़कर स्त्रोतस्विनी बह जाय।
वह हमें आकार देती है।
हमारे कोण, गलियाँ, अन्तरीप, उभार, सैकत कूल,
सब गोलाइयाँ उसकी गढ़ी हैं।
माँ है वह! है, इसी से हम बने हैं।

इकाई – V

प्र.9 निम्नलिखित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए–

(1) चौपाई छन्द (2) वसन्ततिलका छन्द

प्र.10 अलंकार किसे कहते है? यमक एवं संदेह अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

खण्ड – स

प्र.1 'चित्रकूट में राजसभा' कविता के आधार पर भरत का चरित्र – चित्रण कीजिए।

प्र.2 जयशंकर प्रसाद का हिन्दी छायावाद में क्या योगदान है? विस्तृत विवचेना कीजिए।

प्र.3 'जागो फिर एक बार' कविता के आधार पर सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का काव्य – सौष्ठव का विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्र.4 'दिनकर का काव्य राष्ट्रीय चेतना एवं विरोध का काव्य है।' विवेचना कीजिए।

प्र.5 आधुनिक हिन्दी कविता के सोपान कौन कौन से हैं? उदाहरण सहित समझाइए।